सेवामें,

श्रीमान् ललित किशोर चतुर्वेदी जी, दि. 7.5.90
अध्यक्ष,
मितव्यता समिति, राजस्थान, सरकार।

विषय:- प्रशासनिक खर्चों में कमी करने हेतु सुझाव ।

संदर्भ:- आकाशवाणी समाचार सूचना दिनांक 3 मई 1990

महोदय,

राजस्थान प्रदेश एक पिछड़ा एवं साधनहीन राज्य है । इसके बावजूद भी यहाँ बहुत से खर्चे अनावश्यक रूप से किये जा रहे हैं । नौकरशाही के समस्त अवगुण हमारे प्रशासन में मौजूद हैं । यह हमारे सौभाग्य की बात है कि वर्तमान सरकार ने इस दिशा में सार्थक कदम उठाये हैं । मैं आपको कुछ सुझाव इन खर्चों को कम करने के लिए प्रस्तुत कर रहा हूँ । :-

§1§ खर्चा कम करने की पहल सर्वोच्च स्तर से नीचे की तरफ होनी चाहिए । ताकि निचले स्तर पर स्वतः ही प्रभाव पड़े ।

§2§ जो कार्य पत्रों के माध्यम से हो सके उस कार्य के लिये टूयर निर्धारित नहीं होना चाहिए । कईबार टी.ए.,डी.ए. के बिल बहुत भारी मात्रा में भुगतान होते हैं ।

§3§ उन कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच करवाई जावे जो हर माह हजारों रुपयों का मेडिकल बिल उठाते हैं ।

§4§ कई बार छोटी सी सूचना या आदेश के लिए पूरा फुलस्केप पन्ना खराब किया जाता है । जबकि इसे छोटे कागज पर भी किया जा सकता है । यह बात छोटी सी लगती है लेकिन प्रतिवर्ष इससे 2 लाख रुपया बेकार ही स्टेशनरी के कारण व्यय होता है ।

§5§ रोजाना सरकारी कार्यालयों से बहुत भारी मात्रा में आलपिन, कार्बन, एवम् लिफाफे, कूड़े के साथ फैंके जाते हैं । इस पर यदि सतर्कता बरती जाये तो लाखों रुपया प्रतिवर्ष बच सकता है ।

§6§ जहाँ तक हो सके निर्णय स्तर कम किये जायें । यानि छोटी सी प्रार्थना पत्र या कागज को टेबिल दर टेबिल नहीं सरकाना चाहिए। इससे समय, मानव शान्ति एवं फाईल का पुलिंदा बनता है ।

§7§ आफिस से जाने के बाद अधिकारी व कर्मचारी फैन, कूलर, लाईटें बन्द करने की

——2/

आदत डालें। एक छोटे से कार्यालय में प्रतिवर्ष हजार रुपये की बिजली फालतू जलती है ।

§8§ सरकारी कार्यालयों के नलों में पानी यूं ही बिखरता रहता है । कृपया इसकी जिम्मेदारी निर्धारित की जाये । कहीं तो पीने का पानी नहीं है, तो कहीं वाहियात बिखरता है ।

§9§ यह देखने में आया है कि छोटी-छोटी बातों के लिए कोई रजिस्टर बना लिया जाता है और 15/-रुपये का यह रजिस्टर दो-तीन पेज भरने के बाद खाली पड़ा रहता है । हमेशा के लिए । इस तरह का पैसा व्यय क्यों ?

§10§ प्राइवेट वाहन सरकारी वाहनों से ज्यादा "एवरेज" क्यों देते हैं ? जबकि सरकारी वाहन तीसरे दिन वर्कशॉप में खड़े खड़े पैसे को चूना लगाते रहते हैं । कृपया ड्राइवरों को इस मामले में सख्त हिदायतें प्रदान की जावे ।

§11§ सरकारी कार्यों के लिए खरीदी जाने वाली वस्तुएँ उच्च क्वालिटी की होती है । लेकिन इन्चार्ज उनकी जगह सस्ती एवं घटिया वस्तुएँ कार्यालय में लाकर पटक देते हैं । या बिना समय कण्डम दिखा दिया जाता है । जो फ्रीज घरों में 10 साल चलता है वह सरकारी कार्यालय में 3 वर्ष में ही बेकार क्यों हो जाता है ? कृपया इस विषय में इन्चार्ज की जिम्मेदारी निर्धारित हो । आडिट समय पर होना चाहिए ।

§12§ कार्यालयों में जरा-जरा सी बातों के लिए रबर सील बनवाई जाती है । जो कुछ समय बाद बेकार पड़ी रहती है ।

§13§ सामान्यतः घरों में रंग रोगन, पुताई, मरम्मत, 500/-रुपये में हो जाती है । तीन कमरों वाली डिस्पेंसरी के लिए इसी कार्य के लिए तीन हजार रुपये स्वीकृत होने का क्या अर्थ है ? साथ में ध्यान रखा जावे कि गांवों में छोटी-छोटी डिस्पेन्सरियों में हैडक्वाटर की गाड़ी एक साथ स्वयं दवाई दे आये न कि हर जगह से कर्मचारी आकर हैड क्वार्टर से दवा ले जावे । इससे समय, मानव शक्ति, और टी.ए., डी.ए. का ज्यादा खर्च होता है ।

§14§ प्रायः देखने में आया है कि नसबन्दी कैम्प बिना कोई ऑपरेशन के समाप्त होता है । अतः यदि सम्बन्धित जगह पर एक भी केस नहीं है तो क्यों आखिर वाहियात पैसा खर्च किया जाये ?

§15§ महिला कर्मचारी गर्भ काल में तीन माह का प्रसूति अवकाश लेती है । ऐसी हालत में यह निर्धारित कर दिया जाना चाहिए कि दो बाद से अधिक ये छुट्टियाँ नहीं मिलेगी । यदि दुर्घटनावश कोई बच्चा मर जाये तो उस माँ को अतिरिक्त अवसर सरकार दे सकती है ।

§16§ एक ही पद पर यदि दो व्यक्ति कायम हैं तो एक को ही वेतन प्रदान हो।

—3/

यह कार्य तो संबंधित अधिकारी का है, कि किसे और कहाँ नियुक्ती मिले। कई बार स्थानान्तरण होने वाला और आने वाला दोनों एक ही जगह कार्य करते रहते हैं ।

§17§ एक तरफ तो आप स्वीकार करते हैं । देश में उत्पादन कम होता है । दूसरी तरफ संसाधन उपलब्ध है तो फिर क्यों न नये व्यक्तियों को खाली जगहों पर नियुक्त करके कार्य प्रणाली एवं उत्पादन को सुधारा जावे ।

§18§ सरकारी कार्यालयों की टेबिलों पर रखा जाने वाला काँच एक वाहियात खर्चा है । यह माह-दो माह में टूट जाता है और अनावश्यक खर्चा होता है। इसकी जगह रेग्जीन सीट रखी जानी चाहिए । काँच प्लेट के नीचे रखे जाने वाले कागज दीवारों एवं ड्रॉअर में रखे जा सकते हैं ।

§19§ प्राय: देखने में आया है कि सरकारी कार्यों के लिए कर्मचारी किसी दुकानदार से रसीद ज्यादा पैसे की कटवाते हैं । जैसे तीन प्रतिलिपि फोटोस्टेट करवाने की रसीद पाँच रूपये की कटवायी जाती है । जबकि वास्तविक खर्च दो रूपये है । अत: उच्च अधिकारी यह निर्धारित करें एवं जिम्मेदारी ले कि ऐसा चूना सरकार को क्यों लगे ?

§20§ जो कर्मचारी ईमानदारी एवं मेहनत से कार्य करते हैं उन्हें अभिप्रेरणाएँ प्रदान की जानी चाहिए । वस्तुत: ईनाम एवं प्रशंसा पत्र अफसर के चमचों को मिलता है । फलस्वरूप संगठन में द्वेष बढ़ता है ।

§21§ हर सरकारी कार्यालय में एक मितव्ययता परिषद हो जो अपने विभाग में खर्चे कम करने के सुझाव दे सके। ध्यान रहे इस परिषद में सर्वोच्च अधिकारी से लेकर चतुर्थ श्रेणी तक के ईमानदार एवं कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी ही शामिल हों ।

आशा है उपरोक्त सुझाव आपको स्वच्छ प्रशासन देने के प्रयासों में सहायक होंगे।

§ शुभकामनाओं सहित ।-

निवेदक,

सुरेन्द्र कुमार कटारिया

सुरेन्द्र कुमार कटारिया,

मेलनर्स-द्वितीय

वक्ष एवम् क्षय रोग चिकित्सालय, शास्त्रीनगर,

जयपुर-16

Scanned with OKEN Scanner